9. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. आलोचना के बीज - बच्चन सिंह
11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
12. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. रस मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16. अरस्तू का काव्यशास्त्र - सं. नगेन्द्र
17. प्लेटो के काव्य-सिद्धांत - निर्मला जैन
18. मार्क्सवाद - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : हिंदी (एम.ए. अंतिम)

एम. ए. हिंदी अंतिम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र होंगे। इन प्रश्न-पत्रों में हिंदी के नाटक और काव्येतर गद्य, कथा-साहित्य, भाषा-विज्ञान, आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे रचना और पाठ के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्ष को केंद्र में रख गहन अध्ययन हेतु प्रवृत्त हो सकेंगे।

पंचम् प्रश्न -पत्र

नाटक और काव्येत्तर गद्य

इकाई - १

नाटक व रंगमंच : सैद्धांतिक विवेचन, जयशंकर प्रसाद कृत चन्द्रगुप्त - नाटक का स्वरूप तत्त्व व रंगमंच, हिंदी नाटक की परंपरा और विकास। जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य, चन्द्रगुप्त : कथावस्तु, पात्र संरचना व प्रतिपाद्य।

इकाई - २

धर्मवीर भारती कृत 'अंधा युग', मोहन राकेश कृत 'आधे-अधूरे', जगदीश चन्द्र माथुर कृत 'कोर्णाक' - धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि और नाट्य साहित्य, अंधा युग में कथावस्तु और

10/3/2023

10/3/23

चरित्र-चित्रण, गीतिनाट्य के रूप में 'अंधा युग', मोहन राकेश : नाट्य दृष्टि व उनके नाटक, आधे-अधूरे : एक विवेचन, आधे-अधूरे : रंगमंचीय विधान, कोर्णाक - जगदीश चन्द्र माथुर की कथावस्तु और रंगमंचीय विधान।

इकाई - ३

निबंध और कथेतर गद्य साहित्य - निबंध-साहित्य की परंपरा व विकास, कथेतर गद्य विधाओं की परंपरा व विकास ।

इकाई - ४

प्रमुख निबंध और कथेतर गद्य विधाएँ- बालमुकुन्द गुप्त कृत 'एक दुराशा', रामचन्द्र शुक्ल कृत 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था', हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'अशोक के फूल', विद्यानिवास मिश्र कृत 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है', हरिशंकर परसाई कृत 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र', की व्यंग चेतना, महादेवी वर्मा कृत 'भाभी' (रेखाचित्र), अज्ञेय कृत संस्मरण 'प्रेमचन्द'(स्मृति लेखा से), राहुल सांकृत्यायन घुमककड़ शास्त्र (यात्रा वृतान्त), रांगेय राघव कृत रिपोर्ताज 'अंधकार' (तुफानों के बीच में), निर्मल वर्मा कृत ' चीड़ों पर चाँदनी' (यात्रा वृतान्त का एक अंश), पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' कृत 'अपनी खबर' (आत्मकथा), विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' (जीवनी) के एक अंश का अध्ययन व विवेचन।

विचारणीय बिंदु :

काव्य, गद्य विधाओं के अलावा नाटकों के अध्ययन के लिए एक ऐसी शिक्षण पद्धति विकसित करना जिससे विद्यार्थी हिंदी नाटकों का गहराई से अध्ययन कर सकें। इसमें भारतीय नाट्य परंपरा के साथ विदेशी भाषाओं के नाटकों का हिंदी नाटकों पर प्रभाव का परिचय प्राप्त हो, यह अपेक्षा भी होगी। अन्य भाषाओं में रचे गए नाटकों का अनुदित नाटक तथा नाटक के सिद्धांत और शास्त्रीय विकास की चर्चा साथ ही हिंदी काव्येत्तर गद्य विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. नाट्यशास्त्र - भरतमुनि
2. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा
4. भारतीय नाट्य साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
5. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपमक - हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. आधुनिक हिन्दी नाटक - डॉ. नगेन्द्र

10/3/2023

10/3/23

7. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद्र जैन
8. भारतेंदु हरिशचन्द्र - रामविलास शर्मा
9. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता - प्रभाकर श्रोत्रिय
10. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी
11. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक - नेमिचन्द्र जैन
12. आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव - दशरथ ओझा
13. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन - डॉ. गिरीश रस्तोगी
14. हिन्दी नाटक : मिथक और यथार्थ - रमेश गौतम
15. भारत की हिंदी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ - विश्वनाथ शर्मा
16. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास - रामचरण महेन्द्र
17. आज के रंग नाटक - इब्राहिम अल्काज़ी

षष्ठ प्रश्न -पत्र

कथा-साहित्य

इकाई - १

हिंदी उपन्यास : सैद्‌धांतिक विवेचन- उपन्यास का स्वरूप और वर्गीकरण, उपन्यास परंपरा और विकास का संक्षिप्त परिचय।

हिंदी उपन्यास : सैद्‌धांतिक विवेचन, प्रेमचन्द और गोदान - उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप व प्रकार, उपन्यास की परंपरा और विकास। प्रेमचन्द की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास, गोदान : कथावस्तु, चरित्र व शिल्प विवेचन, गोदान का प्रतिपाद्‌य।

इकाई - २

अज्ञेय और शेखर एक जीवनी - अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास 'शेखर एक जीवनी' का संवेदना व शिल्प तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन।

इकाई - ३

कृष्णा सोबती और 'समय सरगम', - कृष्णा सोबती की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास, समय सरगम : संवेदना व शिल्प, समय सरगम का प्रतिपाद्‌य। उपन्यास 'सीता पुनि बोली' - मृदुला सिन्हा की कथावस्तु।

10/3/2023

10/3/23

इकाई - ४

हिंदी कहानी : सैद्धांतिक विवेचन- कहानी का स्वरूप और वर्गीकरण, कहानी की परंपरा और विकास।

हिंदी कहानियों का विशिष्ट अध्ययन - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी कृत 'उसने कहा था' प्रेमचन्द कृत 'कफ़न', जयशंकर प्रसाद कृत 'पुरस्कार', जैनेन्द्र कृत 'पत्नी', यशपाल की 'महाराजा', डॉ. धर्मवीर भारती कृत 'बंद गली का आखरी मकान', फणीश्वरनाथ रेणु कृत 'लाल पान की बेगम', अमरकान्त कृत 'जिन्दगी और जोंक', ज्ञानरंजन कृत 'पिता', राजेन्द्र यादव की 'टूटना', चित्र मुदगल कृत 'गेंद', उषा प्रियम्बदा कृत 'जिन्दगी व गुलाब' कृष्णा सोबती कृत 'सिक्का बदल गया' का अध्ययन व विवेचन।

विचारणीय बिंदु :

इस प्रश्न-पत्र में उपन्यास और कहानी के विकासक्रम, पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों, कहानियों का अध्ययन, हिंदी उपन्यास, कहानी को लेकर हिंदी में विकसित आलोचनात्मक दृष्टि तथा तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
2. आज का हिन्दी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान
3. हिन्दी उपन्यास का विकास - मधुरेश
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव
5. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
6. प्रेमचन्द्र और उनका युग - रामविलास शर्मा
7. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ - शशिभूषण सिंघल
9. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समनांतर : राजेन्द्र यादव
11. एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध
12. समकालीन कहानी की पहचान - नरेन्द्र मोहन

सप्तम् प्रश्न -पत्र

भाषा-विज्ञान

इकाई - १

भाषा और भाषा-विज्ञान : एक परिचय - भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा का उद्‌गम और विकास, भाषा संरचना और भाषिक कार्य, भाषा-विज्ञान परिभाषा, क्षेत्र और अध्ययन की पद्‌धतियाँ, भाषा-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान, भाषा-विज्ञान के अध्ययन की भारतीय परंपरा एवं पाश्चात्य परंपरा का संक्षिप्त परिचय।

इकाई - २

भाषा और भाषिक संरचना - ध्वनि संरचना, ध्वनि प्रक्रिया, रूप संरचना : रूप की अवधारणा, वाक्य संरचना, अर्थ संरचना, लिपि का उद्‌भव एवं विकास और नागरी लिपि, हिंदी की शब्द संपदा।

इकाई - ३

भाषा परिवार और हिंदी - विश्व के प्रमुख भाषा परिवार, भारोपीय भाषा परिवार, प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय, हिंदी का उद्‌भव एवं विकास।

इकाई - ४

हिंदी और उसके विभिन्न रूप - हिंदी के विभिन्न रूप और उनके प्रकार्य, हिंदी की वैधानिक स्थिति, अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान, भाषा शिक्षण और शैली-विज्ञान : उद्‌भव एवं विकास, शैली-विज्ञान : प्रतिमान एवं प्रक्रिया, क्षेत्र और अन्य अनुशासनों से संबंध।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. पालि साहित्य का इतिहास - राहुल सांकृत्यायन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. पालि महाव्याकरण - भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधी महासभा, सारनाथ वाराणसी
5. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. पालि साहित्य का इतिहा - भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7. पुरानी हिन्दी - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
9. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास - भोलानाथ तिवारी

10/13/2023

10/13/23

10. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
11. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
12. भाषाशास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
13. सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
14. भारतीय भाषा समस्या - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. नागरी लिपि : हिन्दी और वर्तनी - अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
17. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्या और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अष्ठम् प्रश्न -पत्र

आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा

इकाई - १

आधुनिक हिंदी कविता परंपरा व विकास - नई कविता और समकालीन कविता : परंपरा और विकास, शमशेर बहादुर सिंह की रचनाएँ, शमशेर बहादुर सिंह का काव्य, मुक्तिबोध का काव्य (भूल-ग़लती, ब्रह्मराक्षस, चाँद का मुँह टेढ़ा है), नरेश मेहता काव्य (महाप्रस्थान - यात्रा और स्वाहा पर्व), संवेदना और शिल्प विवेचन।

इकाई - २

गिरिजा कुमार माथुर का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, भवानी प्रसाद मिश्र (सतपुड़ा के घने जंगल, बरसात आ गई रे, यहीं कहीं एक कच्ची सड़क थी) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन।

इकाई - ३

धर्मवीर भारती का काव्य : कानुप्रिया 'आम्रबौर का अर्थ' और 'समुद्र स्वप्न', धर्मवीर भारती का काव्य : अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, अशोक वाजपेयी का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, नन्दकिशोर आचार्य का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन।

इकाई - ४

आधुनिक हिंदी गीत परंपरा व विकास - गीत संरचना : स्वरूप और परंपरा, सोहन लाल द्विवेदी का गीत : संवेदना व शिल्प, वीरेन्द्र मिश्र के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, शंभूनाथ सिंह का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, गोपालदास 'नीरज' के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, बालस्वरूप राही के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, रमानाथ अवस्थी के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन।

राजकुमार 10/3/2023

S. R. Rao 10/3/23

विचारणीय बिंदु :

काव्य और गीत प्रत्येक काल में साहित्य का स्वाभाव रहा है। कविता और गीत परंपरा के चले आ रहे इस रूप की विविधता से साहित्येतिहास की विशिष्टताओं को समझने का प्रयास इस प्रश्न-पत्र में अपेक्षित है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
2. दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह
3. कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह
4. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
5. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
6. कवि परंपरा तुलसी से त्रिलोचन- प्रभाकर श्रोत्रिय, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रसाद-निराला-अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

+++

10/3/2023

10/3/23

नवम प्रश्न-पत्र

शोध-प्रविधि एवं अनुवाद/शोध प्रविधि (वैकल्पिक)

इकाई-1

शोध का स्वरूप, चिंतन एवं विकास, शोध-परिकल्पना, शोध के प्रकार, अनुसंधान और आलोचना, विषय-चयन, सामग्री-संकलन।

इकाई-2

शोध-कार्य का विभाजन (शीर्षक, उपशीर्षक, अध्याय, खंड, उपखंड तथा अनुक्रम), शोध की रूपरेखा, प्रस्तावना (भूमिका), विषय-सूची, तालिका-सूची, आधार-ग्रंथ, संदर्भ-ग्रंथ, सहायक-ग्रंथ।

इकाई-3

पाठालोचन, पाद-टिप्पणी, प्रतिवेद, साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, भाषावैज्ञानिक शोध, साहित्यिक नकल, अनुसंधान नैतिकता, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।

इकाई-4

अनुवाद स्वरूप, एवं विस्तार, अनुवाद सिद्धांत, अनुवाद के प्रकार, भाषायी एवं साहित्यिक अनुवाद, अँग्रेज़ी-हिंदी एवं अँग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद, हिंदी-छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ी-हिंदी अनुवाद, अनुवादक के गुण-दोष।

सहायक पुस्तक सूची :

1. अनुवाद प्रविधि और प्रक्रिया-राजेन्द्र मिश्र
2. शोध प्रविधि- डॉ. विजय मोहन शर्मा
3. साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान-डॉ. देवराज उपाध्याय, डॉ. रामगोपाल शर्मा
4. साहित्य सिद्धांत और शोध-डॉ. आनंद प्रसाश दीक्षित
5. सुरेश कुमार- अनुवाद : सिद्धांत की रूपरेखा

अथवा

शोध प्रविधि (वैकल्पिक)

- लघुशोध वैकल्पिक होगा, जिसे विद्यार्थी तभी चुन सकता जब उसने हिंदी एम.ए. पूर्व में 62 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हों तथा किसी भी प्रश्नपत्र में एटीकेटी नहीं आया हो।
- ऑफलाइन/ऑनलाइन कक्षाएँ प्रत्येक छह माह में (प्रत्येक छह माह में 10-10 दिन की) आयोजित की जाएँगी, जिसमें विद्यार्थी की कुल उपस्थिति 75 प्रतिशत अनिवार्य होगी।
- विश्वविद्यालय हिंदी विभाग शोध-केंद्र होगा, जिसके सहा. प्राध्यपक, सह-प्राध्यापक, प्राध्यापक लघुशोध के निर्देशक के रूप में कार्य करेंगे। लघुशोध हिंदी भाषा एवं साहित्य की

10/3/2023

10/3/23

किसी भी विधा पर आधारित होगा, इसके लिए 100 अंक होंगे। 70 अंक हार्ड बाउंड रिपोर्ट प्रस्तुत (लघुशोध) के लिए तथा 30 अंक मौखिकी हेतु निर्धारित होंगे।